पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ: 1 अगस्त 2017

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक देश के स्वतंत्रता संग्राम के महासेनानी थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए जन जागरण द्वारा चेतना का निर्माण किया। बाल गंगाधर तिलक ने वैचारिक जागृति के लिए 'केसरी' और 'मराठा' जैसे समाचार पत्र प्रकाशित कर के अपने अग्रलेखों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया। उन्होंने महाराष्ट्र में गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव जैसे आयोजनों को सामूहिक रूप से आयोजन करने को बढ़ावा देकर देशवासियों को सामाजिक व सांस्कृतिक रूप से एक सूत्र में बांधने का सफल प्रयास किया। बाल गंगाधर तिलक ने आजादी के लिए कहा था कि 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं उसे लेकर रहूंगा'।

उक्त विचार उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्य तिथि के अवसर पर लखनऊ के लालबाग चैराहा पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद व्यक्त किये। श्रद्धांजलि सभा में श्री उदय खत्री, श्री सुधीर हलवासिया सहित अन्य नागरिकजन उपस्थित थे।

श्री नाईक ने कहा कि बाल गंगाधर तिलक ने लखनऊ में 1916 में 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं उसे लेकर रहूंगा' का नारा दिया था। इस नारे को 2017 में 101 वर्ष हो रहे हैं। उन्होंने पूर्व की सरकार को सुझाव दिया था कि उक्त अधिवेशन को 100 वर्ष पूरे होने पर राज्य सरकार द्वारा ऐसा आयोजन होना चाहिए जिससे लोकमान्य बाल गंगाधर की भूमिका सबके सामने आए जो किन्ही कारण से सम्भव नहीं हो पाया था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भव्य आयोजन करने के लिए वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चर्चा करेंगे।

अंजुम/ललित/राजभवन (286/2)